IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

विवाहित एवं अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता

डॉ. नीतू व्यास
शोध मार्गदर्शक
जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय) उदयपुर (राज.)

शबाना कुरैशी
पीएच.डी. शोधार्थी, शिक्षा विभाग,
जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय) उदयपुर (राज.)

सार–संक्षेप

वर्तमान अध्ययन ''विवाहित एवं अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता'' उदयपुर संभाग की 600 मुस्लिम महिलाओं (300 विवाहित एवं 300 अविवाहित) पर आधारित है, जिसमें सर्वेक्षण विधि और स्वनिर्मित आर्थिक आत्मनिर्भरता मापनी के माध्यम से डेटा संकलित किया गया। यह शोध मुस्लिम महिलाओं के असंगठित क्षेत्र में कार्य, शिक्षा की कमी, सीमित संसाधन, पूंजी व रोजगार तक पहुंच की बाधाओं तथा सामाजिक प्रतिबंधों के संदर्भ में उनकी आर्थिक गतिविधियों, निर्णय क्षमता और संसाधनों के उपयोग की स्थिति का विश्लेषण करता है। निष्कर्षों के अनुसार, विवाहित महिलाएं परिवार के खर्चों में अधिक योगदान देती हैं, निवेश व आर्थिक निर्णयों में अधिक भागीदारी निभाती हैं और अपनी आय व संसाधनों पर नियंत्रण रखती हैं, जबकि अविवाहित महिलाएं डिजिटल भुगतान, वित्तीय सेवाओं के प्रयोग, सरकारी योजनाओं की जानकारी, कौशल उपयोग और सामुदायिक आर्थिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय और आत्मविश्वासी हैं। इस प्रकार, विवाहित और अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता के विभिन्न आयामों में विशिष्टताएं और योगदान भिन्न हैं।

मुख्य शब्द :– मुस्लिम महिला, आर्थिक आत्मनिर्भरता

प्रस्तावना :–

भारतीय समाज विविधताओं से युक्त एक बहुसांस्कृतिक एवं बहुधार्मिक समाज है, जिसमें विभिन्न जाति, धर्म, भाषा और संस्कृतियां सहअस्तित्व में हैं। इस समाज में मुस्लिम समुदाय की अपनी विशिष्ट सामाजिक, सांस्कृतिक और आथिक पहचान है। मुस्लिम महिलाएं पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक सामाजिक परिवेश के बीच संतुलन स्थापित करने का निरंतर प्रयास कर रही हैं। उनके जीवन में आर्थिक आत्मनिर्भरता जैसे आयामों का अध्ययन न केवल उनके व्यक्तिगत विकास को समझने में सहायक है, बल्कि उनके सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण है।

नगरीय, ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में रहने वाली मुस्लिम महिलाएं अनेक सामाजिक एवं आथिक चुनौतियों का सामना करती हैं। एक ओर पारिवारिक एवं धार्मिक परंपराएं हैं, तो दूसरी ओर बदलता सामाजिक परिवेश, जो उन्हें अवसर भी प्रदान करता है और सीमाएं भी निर्धारित करता है। उदयपुर संभाग जैसे क्षेत्रों में मुस्लिम महिलाओं का जीवन इन्हीं दो धाराओं के बीच संतुलन साधने का प्रयास करता हुआ दिखाई देता है।

यह अध्ययन मात्र आंकड़ों तक सीमित न होकर यह जानने का प्रयास करता है कि महिलाएं अपने जीवन और भविष्य को कैसे देखती हैं तथा किन कारकों से उनके अवसर प्रभावित होते हैं। आर्थिक आत्मनिर्भरता शिक्षा, पारिवारिक सहयोग, सामाजिक स्वीकृति, तकनीकी जागरूकता और धामिक सोच को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं।

इस शोध में आर्थिक आत्मनिर्भरता को उन शहरी मुस्लिम महिलाओं के संदर्भ में देखा गया है, जो नौकरी, व्यवसाय, गृह–उद्योग, सेवा या स्वरोजगार से जुड़ी हैं। आर्थिक आत्मनिर्भरता न केवल आय का स्रोत है, बल्कि आत्मसम्मान, निर्णय–क्षमता और सामाजिक सशक्तिकरण का आधार भी है।

वर्तमान में अधिकांश मुस्लिम महिलाएं असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं और उन्हें शिक्षा की कमी, सीमित संसाधन, पूंजी तक पहुंच का अभाव, रोजगार अवसरों की कमी तथा सामाजिक प्रतिबंध जैसी बाधाओं का सामना करना पड़ता है। यह अध्ययन इन बाधाओं, महिलाओं की आगे बढ़ने की इच्छा शक्ति और उपलब्ध संसाधनों के उपयोग की स्थिति का विश्लेषण करेगा।

सरकारी योजनाओं, शिक्षा के प्रसार, सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक सामुदायिक सोच के माध्यम से मुस्लिम महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक है। इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए शोधार्थी ने विवाहित एवं अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता पर यह शोध लेख प्रस्तुत किया है।

शीर्षक :–

''विवाहित एवं अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता''

उद्देश्य :–

1. उदयपुर संभाग की मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता का अध्ययन करना।
2. उदयपुर संभाग की विवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता का अध्ययन करना।
3. उदयपुर संभाग की अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता का अध्ययन करना।
4. उदयपुर संभाग की विवाहित एवं अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता की तुलना करना।

परिकल्पना :–

1. उदयपुर संभाग की विवाहित एवं अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

विधिशास्त्र :–

शोधार्थी द्वारा उदयपुर संभाग के अंतर्गत आने वाले छः जिलों यथा – उदयपुर, राजसमंद, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ में प्रत्येक से 100–100 मुस्लिम महिलाओं का चयन करते हुए कुल 600 मुस्लिम महिलाओं को शोध में शामिल किया गया है, जिसमें 300 महिलाएं विवाहित एवं 300 महिलाएं अविवाहित है। शोध की प्रकृति के अनुसार सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया। दत्त संकलन हेतु स्वनिर्मित आर्थिक आत्मनिर्भरता मापनी का प्रयोग किया गया। प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के लिये मध्यमान, मानक विचलन व टी–परीक्षण सांख्यिकी का प्रयोग किया गया।

मापन व विश्लेषण :–

संकलित दत्तों का सांख्यिकीय विश्लेषण निम्न है :–

सारणी संख्या – 1

उदयपुर संभाग की मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता का मध्यमान के आधार पर विश्लेषण

क्र.सं.	आर्थिक आत्मनिर्भरता के आयाम	मध्यांक	मध्यमान
1.	आय	20	23ण47
2.	निर्णय	20	25ण63
3.	संसाधन	20	24ण51
4.	भागीदारी	20	22ण94
5.	नियंत्रण	20	26ण98

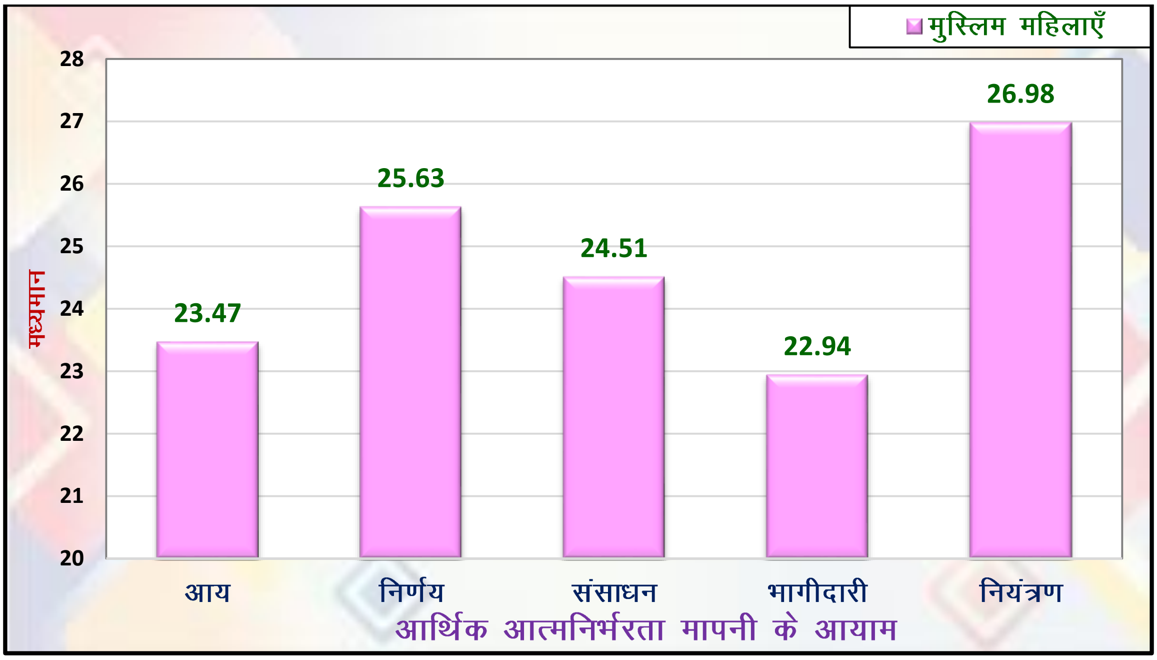

व्याख्या :– उदयपुर संभाग की मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता के विभिन्न आयामों – आय, निर्णय, संसाधन, भागीदारी और नियंत्रण पर आधारित सर्वेक्षण में सभी आयामों का मध्यमान क्रमशः 23.47, 25.63, 24.51, 22.94 और 26.98 प्राप्त हुआ, जो सभी क्षेत्र के मध्यांक 20 से अधिक हैं। इससे स्पष्ट होता है कि इन महिलाओं ने आर्थिक आत्मनिर्भरता के सभी पहलुओं में संतोषजनक सहमति व्यक्त की है और उनका स्तर अपेक्षाकृत उच्च माना जा सकता है।

सारणी संख्या – 2

उदयपुर संभाग की विवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता का मध्यमान के आधार पर विश्लेषण

क्र.सं.	आर्थिक आत्मनिर्भरता के आयाम	मध्यांक	मध्यमान
1.	आय	20	27ण52
2.	निर्णय	20	26ण05
3.	संसाधन	20	26ण66
4.	भागीदारी	20	27ण55
5.	नियंत्रण	20	29ण11

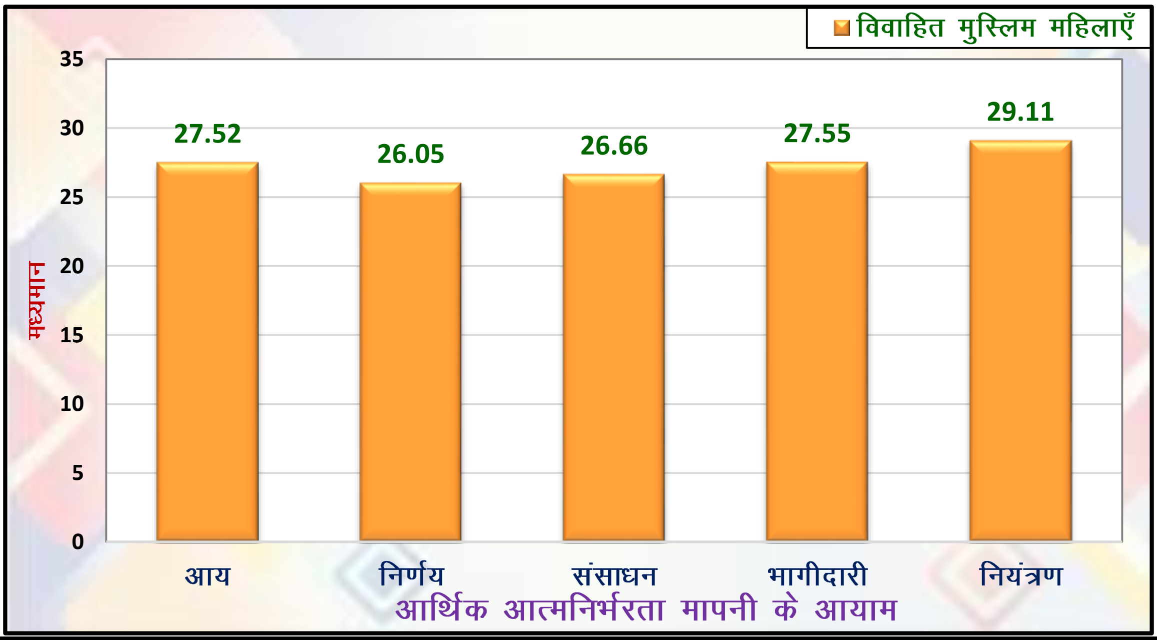

व्याख्या :— उदयपुर संभाग की विवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता के विभिन्न आयाम — आय, निर्णय, संसाधन, भागीदारी और नियंत्रणकृपर आधारित सर्वेक्षण में सभी आयामों का मध्यमान क्रमशः 27.52, 26.05, 26.66, 27.55 और 29.11 प्राप्त हुआ, जो सभी क्षेत्र के मध्यांक 20 से अधिक हैं। यह दर्शाता है कि विवाहित मुस्लिम महिलाएं आर्थिक आत्मनिर्भरता के सभी पहलुओं में उच्च स्तर की सहमति और सक्रिय भागीदारी रखती हैं।

सारणी संख्या — 3

उदयपुर संभाग की अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता का मध्यमान के आधार पर विश्लेषण

क्र.सं.	आर्थिक आत्मनिर्भरता के आयाम	मध्यांक	मध्यमान
1.	आय	20	24.49
2.	निर्णय	20	22.85
3.	संसाधन	20	28.35
4.	भागीदारी	20	30.98
5.	नियंत्रण	20	25.67

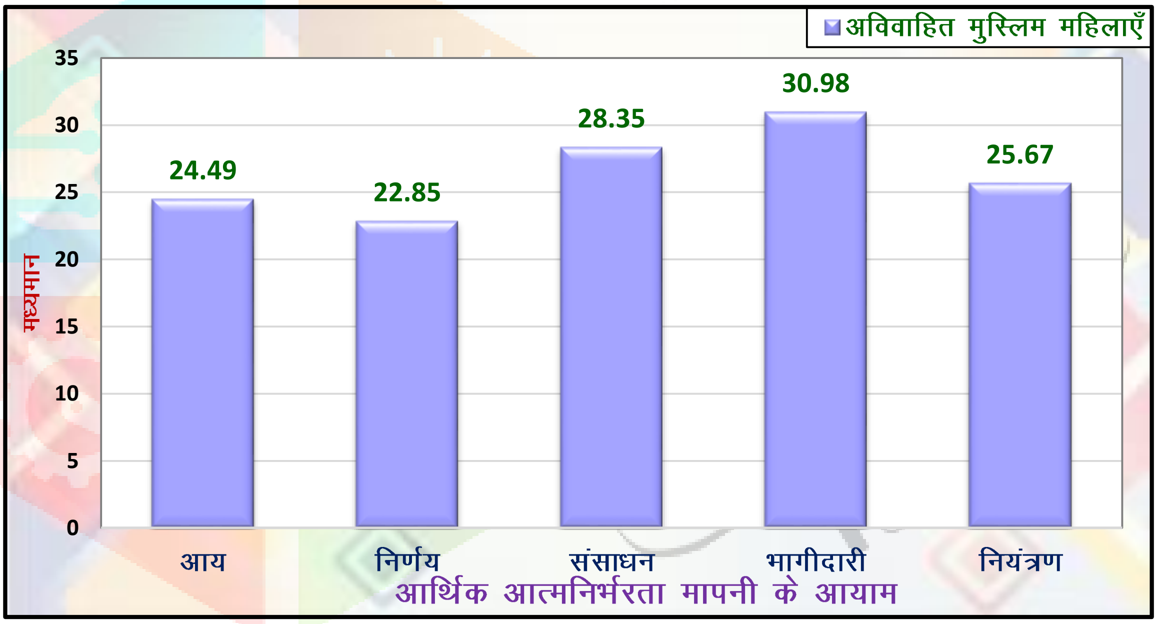

व्याख्या :— उदयपुर संभाग की अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता के विभिन्न आयाम — आय, निर्णय, संसाधन, भागीदारी और नियंत्रण पर आधारित सर्वेक्षण में सभी आयामों का मध्यमान क्रमशः 24.49, 22.85, 28. 35, 30.98 और 25.67 प्राप्त हुआ, जो सभी क्षेत्र के मध्यांक 20 स अधिक हैं। इससे स्पष्ट होता है कि अविवाहित मुस्लिम महिलाएं आर्थिक आत्मनिर्भरता के सभी पहलुओं में संतोषजनक स्तर की सहमति और सक्रिय भागीदारी रखती हैं।

सारणी संख्या – 4

उदयपुर संभाग की विवाहित एवं अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता का टी–मान के आधार पर तुलनात्मक विश्लेषण

क्र. सं.	आर्थिक आत्म निर्भरता के आयाम	मध्यमान		मानक विचलन		टी–मान	0.01 स्तर पर सार्थकता
		विवाहित मुस्लिम महिलाएं	अविवाहित मुस्लिम महिलाएं	विवाहित मुस्लिम महिलाएं	अविवाहित मुस्लिम महिलाएं		
1.	आय	27ण52	24ण49	8ण45	4ण48	5ण49	सार्थक अन्तर पाया गया
2.	निर्णय	26ण05	22ण85	5ण99	2ण94	8ण31	सार्थक अन्तर पाया गया
3.	संसाधन	26ण66	28ण35	6ण08	8ण88	2ण72	सार्थक अन्तर पाया गया
4	भागीदारी	27ण55	30ण98	8ण29	10ण67	4ण40	सार्थक अन्तर पाया गया
5	नियंत्रण	29ण11	25ण67	9ण12	5ण15	5ण69	सार्थक अन्तर पाया गया

स्वतंत्रता के अंश = 598

0.05 विश्वास स्तर का मान = 1.97

0.01 विश्वास स्तर का मान = 2.58

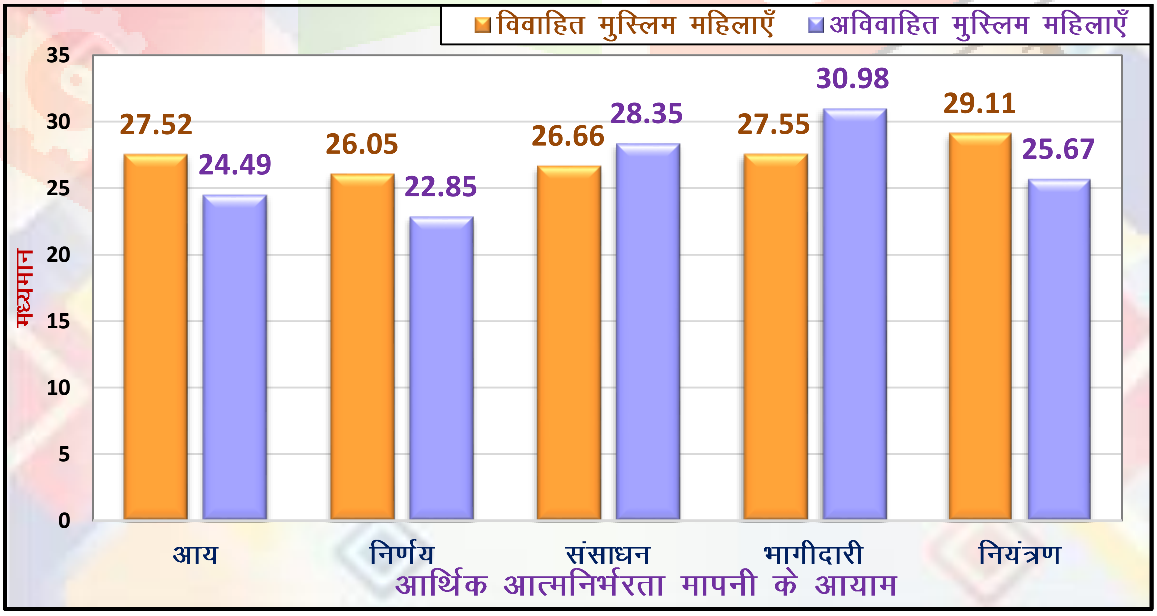

विश्लेषण :– उदयपुर संभाग की विवाहित एवं अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता के विभिन्न आयामोंकृआय, निर्णय, संसाधन, भागीदारी और नियंत्रणकृपर आधारित विश्लेषण में देखा गया कि अधिकांश आयामों में दोनों समूहों के मध्यमानों में सार्थक अन्तर है। आय, निर्णय और नियंत्रण के क्षेत्र में विवाहित महिलाओं का मध्यमान क्रमशः 27.52, 26.05 और 29.11 अविवाहित महिलाओं के मध्यमान 24.49, 22.85 और 25.67 से अधिक है, जबकि संसाधन और भागीदारी के क्षेत्र में अविवाहित महिलाओं का मध्यमान क्रमशः 28.35 और 30.98 विवाहित महिलाओं के 26.66 और 27.55 से अधिक है। सभी आयामों के टी–मान स्वतंत्रता के अंश 598 पर 0.01 स्तर के सारणीमान 2.58 से अधिक पाए गए, जो दोनों समूहों के मध्यमानों में सार्थक अंतर को दर्शाते हैं। इस प्रकार,

विवाहित और अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता के विभिन्न आयामों में विशिष्ट क्षेत्रों में उनका योगदान और सक्रियता भिन्न है।

मुख्य निष्कर्ष :–

उदयपुर संभाग की मुस्लिम महिलाएं अपनी नियमित आय के स्रोतों पर नियंत्रण रखते हुए अपनी जरूरतों के अनुसार स्वतंत्र रूप से खर्च करती हैं और घर के आर्थिक योगदान में सक्रिय भागीदारी निभाती हैं। वे आर्थिक निर्णय लेने, निवेश की योजना बनाने और वित्तीय सेवाओं का आत्मविश्वासपूर्ण उपयोग करने में सक्षम हैं तथा अपने आर्थिक दस्तावेज़ सुरक्षित रखती हैं। इसके अतिरिक्त, ये महिलाएं सामुदायिक और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय हैं, नए कौशल सीखकर आर्थिक रूप से सशक्त होने का प्रयास करती हैं और अपने आर्थिक लक्ष्यों को पूर्ण आत्मविश्वास के साथ पूरा करती हैं।

शोध निष्कर्ष :–

- विवाहित मुस्लिम महिलाएं समय–समय पर घर के खर्चों में आर्थिक सहयोग अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की अपेक्षा अधिक देती है। विवाहित मुस्लिम महिलाओं की आय परिवार के लिए, अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की अपेक्षा अधिक महत्वपूर्ण है। विवाहित मुस्लिम महिलाएं भविष्य की सुरक्षा हेतु विवाहित मुस्लिम महिलाओं की अपेक्षा अधिक बचत करती है।

- विवाहित मुस्लिम महिलाएं निवेश से जुड़े फैसलों व परिवार के आर्थिक मुद्दों पर निर्णय लेने में अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की अपेक्षा अधिक भागीदारी निभाती है।

- अविवाहित मुस्लिम महिलाएं संसाधन के रूप में डिजिटल पेमेंट (न्च्, नेट बैंकिंग आदि) का उपयोग विवाहित मुस्लिम महिलाओं की अपेक्षा अधिक सहजता से करती है, अविवाहित मुस्लिम महिलाओं को सरकारी या निजी बचत योजनाओं की जानकारी विवाहित मुस्लिम महिलाओं की अपेक्षा अधिक रहती है, अविवाहित मुस्लिम महिलाएं ऑनलाइन या ऑफलाइन वित्तीय सेवाओं का उपयोग करने में विवाहित महिलाओं की अपेक्षा अधिक आत्मविश्वासी होती है।

- अविवाहित मुस्लिम महिलाएं अपने कौशल का आर्थिक उपयोग करने के लिए प्रयास, सामुदायिक या स्थानीय आर्थिक गतिविधियों में हिस्सा लेने में तथा परिवार की आर्थिक योजनाओं में भागीदारी विवाहित मुस्लिम महिलाओं की अपेक्षा अधिक निभाती है।

- विवाहित मुस्लिम महिलाएं अपनी आय पर नियंत्रण अविवाहित मुस्लिम महिलाओं की अपेक्षा अधिक रखती है, साथ ही अपने आर्थिक लक्ष्य को पूरा करने के लिए आर्थिक दस्तावेजों व संसाधनों का प्रबंधन भी अविवाहित मुस्लिम महिलाओ की अपेक्षा अधिक करती है।

प्रासंगिकता :–

यह शोध वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक है क्योंकि आर्थिक आत्मनिर्भरता महिलाओं के सशक्तिकरण, परिवार और समाज में उनकी भूमिका तथा सामाजिक–आर्थिक विकास में उनके योगदान को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। उदयपुर संभाग की मुस्लिम महिलाओं के आर्थिक व्यवहार, निर्णय लेने की क्षमता, संसाधनों पर नियंत्रण और भागीदारी के स्तर का अध्ययन न केवल उनकी सामाजिक स्थिति और वित्तीय साक्षरता को समझने में सहायक है, बल्कि नीति निर्धारण, महिला विकास कार्यक्रमों और लक्षित प्रशिक्षण व योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भी महत्वपूर्ण सूचनाएं प्रदान करता है।

सन्दर्भ :–

बेस्ट, जे.डब्ल्यू. (1995). शिक्षा अनुसंधान विधि एवं विश्लेषण. आगरा : विनोद पुस्तक मन्दिर।

क्मेंपए ैण्ए – ।दकतपेजए स्ण ;2010द्धण ळमदकमत ेबतपचजे ंदक ंहम ंज उंततपंहम पद प्दकपंण प्द क्मउवहतंचीपब त्मेमंतबीए 23ए 667द्६698ण

कपिल, डॉ. एच.के. (2006). अनुसंधान विधियां. आगरा : एच.पी. भार्गव बुक हाउस।

माथुर, एस.एस. (2016). शिक्षा मनोविज्ञान. आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर।

भटनागर, ए.बी. (2015). शैक्षिक मनोविज्ञान एवं अधिगम. मेरठः आर. लल बुक डिपो।

भ्वचचमए थ्ण ;1930द्धण ैनबबमे ंदक पिसनतमण छमू ल्वताए छल्रू भ्ंतचमत – ठतवजीमतेण

झ्ंइममतए छण ;2001द्धण त्मेवनतबमेए ।हमदबलए ।बीपमअमउमदजेरू त्मसिमबजपवदे वद जीम डमेंनतमउमदज वि ॅवउमदश्े म्उचवूमतउमदजण व्गवितकरू व्गवितक न्दपअमतेपजल च्तमेेण

ज्वकंतवए डण च्ण्ए –ैउपजीएैण ब्ण ;2015द्धण म्बवदवउपब क्मअमसवचउमदज ;12जी मकण्द्धण ठवेजवदए ड।रू च्मंतेवद म्कनबंजपवदण